Swachh Chandigarh- Green Chandigarh and Ms. Green Chandigarh Campaign (30th November, 2021)

A One- day seminar on ‘Swachh Chandigarh- Green Chandigarh and Ms. Green Chandigarh Campaign has been organized by Dev Samaj College of Education, Sector 36- B, Chandigarh in association with Department of Environment Chandigarh Administration, Federation of Sector Welfare Association of Chandigarh(FOSWAC) and Yuvsatta Youth for Peace (NGO) on 30th November, 2021. It has been organized under the able guidance of Shriman Nirmal Singh Dhillon, Chairman and Dr. (Mrs.) Agnese Dhillon, Principal Dev Samaj College of Education, Sector- 36 B, Chandigarh. The program started with the welcome address by Dr. Richa Sharma. The Chief Guest of the seminar was Sh. Debendra Dalai, IFS, CCF cum director, Department of Environment, Chandigarh Administration. He highlighted the need of such seminars and workshops which impart practical knowledge to not only the learners but also the general public. He also mentioned that there is need for more efforts to maintain the greenery and cleanliness of Chandigarh city. The main dignitary was Padma Shree Awardee, Mr. Agus Indra Udyana, Chairperson, Ashram Gandhi Puri, Bali, Indonesia. He mentioned in his address that they have a tradition of taking care of trees by the students of even schools, colleges and universities. He also highlighted the need for village adoption so that they can learn the value of nurturing nature. The resource persons include Mr. Baljinder Singh, Mr. Parmod Sharma, Mrs. Charanjit Kaur, Mr. Bhupinder Singh and Ms. Samidha Bansal. Mr. Baljinder Singh suggested that community participation is imperative for the promotion of an eco-friendly environment. Mr Parmod Sharma highlighted the need for awareness seminars related to the environment. Ms. Samidha Bansal, founder, Green Karma in her address mentioned the manner in which people can treat dry and wet waste along with the idea of segregating waste for decomposition. The faculty member of college Professor Charanjit Kaur acquainted the NSS Volunteers with the concept of circular economy and its practicability in day to day life. At last Mr. Bhupinder Singh in his presentation described the solar energy and installation through two models of Capex and RESCO Model. The aim of the seminar was to spread awareness among NSS volunteers to save and nurture the environment by following some eco- friendly practices.

MEDIA COVERAGE

स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़' विषय पर सेमिनार आयोजित

देश प्यार प्रतिनिधि द्वारा :
चंडीगढ़। यूटी प्रशासन के पर्यावरण विभाग, फेडरेशन ऑफ सेक्टर वेलफेयर एसोसिएशंस ऑफ चंडीगढ़ (फॉसवेक), शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता यूथ फॉर पीस) और देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से मंगलवार को संयुक्त तौर पर सेक्टर-36 स्थित देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सभागार में 'स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। यूटी प्रशासन के पर्यावरण विभाग के डॉयरेक्टर देवेंद्र दलाई इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता आश्रम गांधी पुरी, बाली, इंडोनेशिया के चेयरपर्सन व पद्मश्री अवार्डी अगुस इंद्रा उडयाना ने की।

%स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़% की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित सेमिनार में आए करीब 100 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशंस के प्रतिनिधियों और युवा छात्रों का स्वागत करते हुए फेडरेशन ऑफ सेक्टर वेलफेयर एसोसिएशंस ऑफ चंडीगढ़ (फॉसवेक) के चेयरमैन बलजिंदर सिंह बिट्ट ने बताया कि उन्होंने हाल ही में एक अनूठी %मिस ग्रीन चंडीगढ़ प्रतियोगिता% पेश की है जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति अनुकूल चंडीगढ़ की महिलाओं की पहचान करना है। इस प्रतियोगिता के लिए उन्हें पूरे शहर से 800 से अधिक एंट्रीज प्राप्त हुई हैं और बहुत शीघ्र इस पहल के भागीदार पर्यावरण विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन, युवसत्ता और देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सहयोग से विजेताओं को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सेमिनार में अपने विचार व्यक्त करने वाले प्रमुख रिसोर्स पर्सन में शामिल ग्रीन कर्म की संस्थापक और कैपिन डॉयरेक्टर समीधा बंसल ने जहां घरों में वेस्ट मैनेजमेंट और कशल खाद बनाने के तरीकों के बारे में जानकारी को साझा किया, वहीं कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर चरणजीत कौर ने सर्कुलर इकॉनमी फॉर ज़ीरो वेस्ट% की अवधारणाओं को साझा किया। साथ ही क्रेस्ट के प्रोजेक्ट मैनेजर भूपिंदर सिंह ने सेमिनार के प्रतिभागियों को 'सोलर सिटी चंडीगढ़% के सपने को साकार करने के लिए आवासीय क्षेत्रों में सोलर सिस्टम्स की स्थापना के लिए क्रेस्ट, चंडीगढ़ प्रशासन के दिशानिर्देशों और योजनाओं के बारे में बताया।

पिछले बीस सालों में चंडीगढ़ के ग्रीन कवर को लगभग दोगुना करने, लगभग सभी उपलब्ध सरकारी भवनों पर सोलर सिस्टम्स की स्थापना करने, अन्य रेजीडेंशियल और कामर्शियल क्षेत्रों में इसका प्रचार करने, प्रदूषण रोकने के लिए कदम उठाने और शहर में साइकिल ट्रैक्स बनाने के चंडीगढ़ में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए इंडोनेशियन गांधी अगुस इंद्रा उडयाना ने कहा कि ये सभी %मनुष्य और प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने% के गांधीवादी मंत्र के अनुरूप हैं। और जैसा कि गांधीजी ने कहा था %बी द चेंज%, यह बदलाव आपके और मेरे साथ शुरू होता है। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि देवेंद्र दलाई ने कहा कि चंडीगढ़ सही मायने में भारत की हरित राजधानी होने का दावा कर सकता है। और शहर में रहने वाले सभी लोगों के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाकर आत्म-अनुशासन और आत्म-उदाहरणों का नेतृत्व करना अनिवार्य है, चाहे वह वेस्ट सेग्रीगेशन हो, कार पूलिंग हो, पानी की हर बूंद की बचत हो, कम दूरी के लिए पैदल चलना या साइकिल चलाना हो, किचन गार्डनिंग द्वारा के जरिए खुद सब्जियां उगाना हो, सोलर सिस्टम्स का लाभ उठाना हो या रूफ टॉप हार्वेस्टिंग हो। कार्यक्रम का समापन देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चंडीगढ़ की प्रिंसिपल डॉ. एग्नीज ढिल्लों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

स्वच्छ चंडीगढ़–ग्रीन चंडीगढ़ विषय पर सेमिनार आयोजित

आज समाज नेटवर्क

स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़ विषय पर सेमिनार में पौधा देते हुए।

चंडीगढ़। यूटी प्रशासन के पर्यावरण विभाग, फेडरेशन ऑफ सेक्टर वेलफेयर एसोसिएशंस ऑफ चंडीगढ़ (फॉसवेक), शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता यूथ फॉर पीस) और देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से मंगलवार को संयुक्त तौर पर सेक्टर-36 स्थित देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सभागार में ह्यस्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़ह्न विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। यूटी प्रशासन के पर्यावरण विभाग के डॉयरेक्टर देवेंद्र दलाई इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता आश्रम गांधी पुरी, बाली, इंडोनेशिया के चेयरपर्सन व पद्मश्री अवार्डी अगुस इंद्रा उडयाना ने की।

'स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़' की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित सेमिनार में आए करीब 100 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशंस के प्रतिनिधियों और युवा छात्रों का स्वागत करते हुए फेडरेशन ऑफ सेक्टर वेलफेयर एसोसिएशंस ऑफ चंडीगढ़ (फॉसवेक) के चेयरमैन बलजिंदर सिंह बिट्टू ने बताया कि उन्होंने हाल ही में एक अनूठी 'मिस ग्रीन चंडीगढ़ प्रतियोगिता' पेश की है जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति अनुकूल चंडीगढ़ की महिलाओं की पहचान करना है।

इस प्रतियोगिता के लिए उन्हें पूरे शहर से 800 से अधिक एंट्रीज प्राप्त हुई हैं और बहुत शीघ्र इस पहल के भागीदार पर्यावरण विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन, युवसत्ता और देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सहयोग से विजेताओं को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सेमिनार में अपने विचार व्यक्त करने वाले प्रमुख रिसोर्स पर्सन में शामिल ग्रीन कर्म की संस्थापक और कैपेन डॉयरेक्टर समीधा बंसल ने जहां घरों में वेस्ट मैनेजमेंट और कुशल खाद बनाने के तरीकों के बारे में जानकारी को साझा किया, वहीं कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर चरणजीत कौर ने सर्कुलर इकॉनमी फॉर जीरो वेस्ट' की अवधारणाओं को साझा किया।

'स्वच्छ चंडीगढ़–ग्रीन चंडीगढ़' पर मंथन

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़: यूटी प्रशासन के पर्यावरण विभाग, फेडरेशन आफ सेक्टर वेलफेयर एसोसिएशंस आफ चंडीगढ़ (फासवेक), शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता (यूथ फार पीस) और देव समाज कालेज आफ एजुकेशन की ओर से मंगलवार को संयुक्त तौर पर सेक्टर-36 स्थित देव समाज कालेज आफ एजुकेशन के सभागार में 'स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेक्टर-36 स्थित देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सभागार में 'स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया • युवसत्ता

यूटी प्रशासन के पर्यावरण विभाग के डायरेक्टर देबेंद्र दलाई इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आश्रम गांधी पुरी, बाली, इंडोनेशिया के चेयरपर्सन व पद्मश्री अवार्डी अगुस इंद्रा उडयाना ने की। फासवेक के चेयरमैन बलजिंदर सिंह बिट्टू ने बताया कि उन्होंने हाल ही में 'मिस ग्रीन चंडीगढ़ प्रतियोगिता' शुरू की है जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूक महिलाओं की पहचान करना है।

कार्यक्रम | 'स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़' विषय पर सेमिनार आयोजित, शहर में साइकिल ट्रैक्स बनाने के कार्यों की सराहना की

देश की ग्रीन कैपिटल होने का चंडीगढ़ कर सकता है दावा : देबेंद्र दलाई

मयंक मिश्र

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। यूटी प्रशासन के पर्यावरण विभाग, फेडरेशन ऑफ सेक्टर वेलफेयर एसोसिएशंस ऑफ चंडीगढ़ (फॉसवेक), शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता यूथ फॉर पीस) और देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से मंगलवार को संयुक्त तौर पर सेक्टर-36 स्थित देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सभागार में 'स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। यूटी प्रशासन के पर्यावरण विभाग के डॉयरेक्टर देवेंद्र दलाई इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता आश्रम गांधी पुरी, बाली, इंडोनेशिया के चेयरपर्सन व पद्मश्री अवार्डी अगुस इंद्रा उडयाना ने की।

➡ पर्यावरण विभाग, फॉसवेक, युवसत्ता और देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने संयुक्त तौर पर किया आयोजन

'स्वच्छ चंडीगढ़-ग्रीन चंडीगढ़' की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित सेमिनार में आए करीब 100 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशंस के प्रतिनिधियों और युवा छात्रों का स्वागत करते हुए फेडरेशन ऑफ सेक्टर वेलफेयर एसोसिएशंस ऑफ चंडीगढ़ (फॉसवेक) के चेयरमैन बलजिंदर सिंह बिट्टू ने बताया कि उन्होंने हाल ही में एक अनूठी 'मिस ग्रीन चंडीगढ़ प्रतियोगिता' पेश की है जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति अनुकूल चंडीगढ़ की महिलाओं की पहचान करना है। इस प्रतियोगिता के लिए उन्हें पूरे शहर से 800 से अधिक एंट्रीज प्राप्त हुई हैं और बहुत शीघ्र इस पहल के भागीदार पर्यावरण विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन, युवसत्ता और देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सहयोग से विजेताओं को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सेमिनार में अपने विचार व्यक्त करने वाले प्रमुख रिसोर्स पर्सन में शामिल ग्रीन कर्म की संस्थापक और कैपिन डॉयरेक्टर समीधा बंसल ने जहां घरों में वेस्ट मैनेजमेंट और कुशल खाद बनाने के तरीकों के बारे में जानकारी को साझा किया, वहीं कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर चरणजीत कौर ने सर्कुलर इकॉनमी फॉर ज़ीरो वेस्ट की अवधारणाओं को साझा किया। साथ ही क्रेस्ट के प्रोजेक्ट मैनेजर भूपिंदर सिंह ने सेमिनार के प्रतिभागियों को 'सोलर सिटी चंडीगढ़' के सपने को साकार करने के लिए आवासीय क्षेत्रों में सोलर सिस्टम्स की स्थापना के लिए क्रेस्ट, चंडीगढ़ प्रशासन के दिशानिर्देशों और योजनाओं के बारे में बताया। पिछले बीस सालों में चंडीगढ़ के ग्रीन कवर को लगभग दोगुना करने, लगभग सभी उपलब्ध सरकारी भवनों पर सोलर सिस्टम्स की स्थापना करने, अन्य रेजीडेंशियल और कामर्शियल क्षेत्रों में इसका प्रचार करने, प्रदूषण रोकने के लिए कदम उठाने और शहर में साइकिल ट्रैक्स बनाने के चंडीगढ़ में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए इंडोनेशियन गांधी अगुस इंद्रा उडयाना ने कहा कि ये सभी 'मनुष्य और प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने' के गांधीवादी मंत्र के अनुरूप हैं। और जैसा कि गांधीजी ने कहा था 'बी द चेंज', यह बदलाव आपके और मेरे साथ शुरू होता है।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि देवेंद्र दलाई ने कहा कि चंडीगढ़ सही मायने में भारत की हरित राजधानी होने का दावा कर सकता है। और शहर में रहने वाले सभी लोगों के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाकर आत्म-अनुशासन और आत्म-उदाहरणों का नेतृत्व करना अनिवार्य है, चाहे वह वेस्ट सेग्रीगेशन हो, कार पूलिंग हो, पानी की हर बूंद की बचत हो, कम दूरी के लिए पैदल चलना या साइकिल चलाना हो, किचन गार्डनिंग द्वारा के जरिए खुद सब्जियां उगाना हो, सोलर सिस्टम्स का लाभ उठाना हो या रूफ टॉप हार्वेस्टिंग हो। कार्यक्रम का समापन देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चंडीगढ़ की प्रिंसिपल डॉ. एग्नीज ढिल्लों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ